THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) Wagons are supplied for loading of steel from Steel Plants including for destinations in Gujarat State, as per demands placed by the steel plants. Coal supply for Gujarat State is mainly from Korea-Rewa Coalfield of South Eastern Coalfields Ltd. and Western Coalfields Ltd. where availability of coal and rail transport is not adequate to meet the demands of consumers including those located in Gujarat. As a result, loading of coal to Gujarat State for Core and Non-core sectors put together is around 70 per cent of the programmes.

(b) and (c) Due to inadequate availability of superior steam coal offered for transport by rail from Korea-Rewa coalfield supply of coal to ceramic industries in Gujarat is less than their demand. Ministry of Coal have instructed all the coal companies to supply atlelast 50 per cent of the linked quantity of coal to industrial consumers in non-core sector by rail or road.

Assault on Newsman's Family in Train

3045. SHRI N. E. BALARAM:
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the newsitem captioned "Newsman family assaulted in train" which appeared in the Indian Express dated 7th July, 1992;

(b) if so, what action has been taken on the complaint of the victims of assault; and

(c) what steps are proposed to be taken to ensure that the passengers in the reserved compartments of the long-distance trains are not disturbed, harrassed and assaulted by the passengers who get into such compartments without a reserved seat from different stations?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): (a) Yes, Sir.

(b) The registration, investigation, detection and prevention of crimes on running trains is the responsibility of the Government Railway Police which functions under the control of the State Governments/Union Territory Administrations. It is for them to take necessary action on the complaint of the victims of such assaults.

(c) The steps taken by the Ministry of Railways include:—

(i) Distance restrictions imposed on travel on certain long distance trains;

(ii) surprise checks with the help of GRP/RPF to detect unauthorised passengers found travelling in reserved coaches and to detrain and fine them under provisions of new Railway Act;

(iii) imposition of punishment on conductors/TTEs/Coach Attendants found responsible for dereliction of duty; and

(iv) more stringent legal provisions imposing a fine upto Rs. 500/- under the new Railways Act, 1989.

गोधरा-दाहोद-इन्दौर-देवास-मक्सी रेल लाइन के लिए स्वीकृति

3046. **श्री कैलाश नारायण सारंग :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गोधरा-दाहोद-इन्दौर-देवास-मक्सी रेल लाइन को स्वीकृति प्रदान कर दी है ; यदि हां, तो उसकी अनुमानित लागत कितनी है और इस

वर्ष के बजट में इसके लिए कितना प्रावधान किया गया है तथा इसके निर्माण कार्य में कितनी प्रगति हुई है ;

(ख) उपर्युक्त रेल लाइन का निर्माण कार्य कब तक पूरा होने की संभावना है ; और

(ग) क्या क्षेत्रीय मांग को देखते हुए सरकार इन्दौर-महू-पीतमपुर रेल लाइन (जिसका बड़ी लाइन में परिवर्तन करने सहित) का निर्माण कार्य आरंभ करने पर विचार करेगी ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी हां । प्राक्कलित लागत 297.14 करोड़ रुपए है । चालू वर्ष के लिए बजटीय प्रावधान 1 करोड़ रुपए है । देवास-मक्सी खंड पर निर्माण कार्य प्रगति पर है और प्रगति 19.5% है ।

(ख) इसका पूरा होना आगामी वर्षों में संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा ।

(ग) संसाधनों की तंगी के कारण ऐसा करना संभव नहीं होगा ।

उत्तर प्रदेश में बड़ी रेल लाइनें

3047. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 31 मार्च, 1992 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश में कितनी प्रतिशत बड़ी रेल लाइनें थी ;

(ख) गत वर्ष कितने प्रतिशत बड़ी लाइन बिछाने का प्रस्ताव था तथा उत्तर प्रदेश के कौन-कौन से क्षेत्र इससे संबंधित थे ; और

(ग) इस पर कितनी धनराशि खर्च किए जाने का प्रस्ताव है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) 31-3-91 को (उपलब्ध नवीनतम आकड़ों के अनुसार) उत्तर प्रदेश में बड़ी लाइन की मार्ग लंबाई भारतीय रेलवे की बड़ी लाइन की मार्ग लंबाई का 17.81% थी और उस राज्य की कुल मार्ग लम्बाई का 69.61% थी ।

(ख) और (ग) 1991-92 के दौरान उत्तर प्रदेश में लगभग 9% नई लाइन खोलने का लक्ष्य रखा गया है । उत्तर प्रदेश क्षेत्र में यह लाइन रामपुर बिलासपुर (27.50कि.मी.) थी, जो रामपुर-न्यू हलद्वानी परियोजना का एक हिस्सा थी, जिसके लिए वर्ष 1991-92 के दौरान 15 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई थी ।

उत्तर प्रदेश में नई रेल लाइनों का बिछाया जाना

3048. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश सरकार ने केन्द्रीय सरकार को राज्य में नई रेल लाइनें बिछाने के संबंध में प्रस्ताव भेजे हैं ?

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उस पर क्या कार्रवाई की गई है ; और

(ग) उस राज्य में बिछाई जा रही अन्य रेल लाइनों का ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी हां ।

(ख) यह प्रस्ताव फर्रुखाबाद से हरदोई/सांडिला तक नई लाइन के निर्माण के लिए था, जिस पर भारी निवेश अपेक्षित होने और प्रस्तावित लाइन अलाभप्रद प्रकृति की होने के कारण विचार नहीं किया जा सका ।